

गया के ब्रह्मयोनपिहाड़ी पर मलिा गुड़मार

चर्चा में क्यों?

हाल ही में शोधकर्त्ताओं की एक टीम ने बहिर के गया में **ब्रह्मयोनपिहाड़ी** पर औषधीय पौधों की एक शृंखला की खोज की, जिसमें **जमिनेमा सलिवेस्ट्रे** (आमतौर पर गुड़मार के रूप में जाना जाता है) एक उल्लेखनीय खोज है जिस मधुमेह **रोधी जड़ी बूटी** के रूप में जाना जाता है।

मुख्य बढि

- **वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परषिद (CSIR)** ने पहले ही **मधुमेह रोधी दवा BGR-34** विकसित करने में इस औषधीय जड़ी-बूटी का उपयोग किया है।
- गुड़मार में **जमिनेमिक एसडि (Gymnemic Acid)** की उपस्थितिके कारण यह रक्त शर्करा के स्तर को कम करने की विशेष क्षमता रखता है। यह आँत की बाहरी परत में रसिप्टर साइटों पर प्रभाव डालकर कार्य करता है, जिससे **मठिस की इच्छा पर नियंत्रण** पाया जा सकता है।
 - परणामस्वरूप आँत कम शर्करा अणुओं को अवशोषित करती है, जिसके कारण रक्त शर्करा का स्तर कम हो जाता है।
 - इसके अलावा इस पौधे में फ्लेवोनोइड्स और सैपोनिन्स होते हैं, जो लपिडि चयापचय को वनियमति करने में सहायता करते हैं।

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परषिद (CSIR)

- CSIR भारत में सबसे बड़ा **अनुसंधान और विकास (R&D)** संगठन है। **CSIR अखलि भारतीय स्तर का संगठन** है और इसका 37 राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं, 39 आउटरीच केंद्रों, 3 नवाचार परसिर्ों और 5 इकाइयों का एक गतशील नेटवर्क है।
- **स्थापना:** सतिंबर 1942
- **मुख्यालय:** नई दलिली
- CSIR को **वज्ज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय** द्वारा वत्ति पोषित किया जाता है और यह **सोसायटी पंजीकरण अधनियम, 1860** के माध्यम से एक **स्वायत्त निकाय के रूप में कार्य करता है**।
- CSIR वभिन्नि क्षेत्रों को कवर करता है - रेडियो और अंतरिक्ष भौतिकी, समुद्र वज्ज्ञान, भूभौतिकी, रसायन, औषधि, जीनोमक्स, जैव प्रौद्योगिकी और नैनो प्रौद्योगिकी से लेकर खनन, वैमानिकी, उपकरण, पर्यावरण इंजीनियरिंग और सूचना प्रौद्योगिकी तक।
 - यह **सामाजिक प्रयासों** से संबंधित कई क्षेत्रों में महत्त्वपूर्ण तकनीकी हस्तक्षेप प्रदान करता है जिसमें **पर्यावरण, स्वास्थ्य, पेयजल, भोजन, आवास, ऊर्जा तथा कृषि एवं गैर-कृषि क्षेत्र** शामिल हैं।